6. कैन्सर (Cancer) मरीजों के साथ चिकित्सकीय सामाजिक कार्यकर्ता की भूमिका

एक परिभाषा में कहा गया है कि, "मूल्यांकन एक प्रक्रिया है, जिसमें किसी व्यक्ति की उसके पर्यावरण के साथ स्थापित किये जाने वाले सामंजस्य के तरीके की जाँच की जाती है।" इस प्रकार व्यक्ति तथा पर्यावरण दोनों के बीच समाज कार्य की तकीनीक एवं पद्धतियों के माध्यम से सामंजस्य स्थापित कराने का कार्य एक चिकित्सकीय समाज कार्यकर्ता द्वारा किया जाता है। जब किसी व्यक्ति को कैन्सर जैसी भयानक बीमारी हो जाती है तो वह अपने जीने की इच्छा ही छोड़ देता है। ऐसे में सामाजिक कार्यकर्ता उसे निम्नलिखित सहायता प्रदान कर उसकी इच्छाशक्ति को पुनः जागृत करता है और उसे कैंसर जैसी बीमारी से लड़ने एव जीवन के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करने में उसकी मदद करता है। इस क्षेत्र में सामाजिक कार्यकर्ता निम्नलिखित भूमिका का निर्वहन करता है–

Scanned by CamScanner

1. रोगी की जाँच, परीक्षण एवं मूल्यांकन कराना।
2. रोगी का परामर्श कर उसकी मनोसामाजिक स्थिति को समझना तथा वैयक्तिक कार्य, समूह समाज कार्य और परिवार परामर्श के द्वारा रोगी की वास्तविक स्थिति की पहचान करना।
3. उसकी स्थिति की पहचान कर उसके आवश्यकतानुसार उसकी दैनिक गतिविधि एवं पोषण संबन्धी चार्ट तैयार कराना।
4. समय-समय पर उसे जाँच एवं चिकित्सकीय परामर्श हेतु सन्दर्भित (refer) करना।
5. आस-पास के कुछ प्रभावशाली लोगों के साथ मिलकर मनोसामाजिक सामंजस्य हेतु पैरवी करना।
6. ऐसे कैंसर रोगी का शल्यक्रिया द्वारा अंग निकाल दिया गया हो, उदा. -स्तन कैंसर में, उनके साथ संकट कालीन हस्तक्षेप करना।
7. इसके अलावा विभिन्न सरकारी सेवाओं के लाभ के लिए उसे ऐसी लाभ प्रदाता संस्थाओं एवं योजनाओं से जोड़ना तथा जानकारी प्रदान करना इत्यादि।

Scanned by CamScanner